राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय का राजेन्द्र केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में सम्परिवर्तन के संबंध में दिनांकः 25.01.2015 को माननीय मुख्यमंत्री जी का अभिभाषण

मुझे खुशी है कि राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय को केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में विकसित करने के लिए भारत सरकार के साथ एक समझौता मसौदे पर आज हस्ताक्षर हुआ है। राज्य सरकार ने वर्ष 2008 में इसके लिए भारत सरकार से अनुरोध किया था। योजना आयोग की स्वीकृति वर्ष 2009 में प्राप्त हुआ। इसी कड़ी में आज का दिन इस विश्वविद्यालय के इतिहास में एक मील के पत्थर के रूप में जाना जायेगा। मुझे उम्मीद है कि भारत सरकार द्वारा शीघ्र ही इस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के रूप में अंगीकार कर लिया जायेगा।

राज्य में कृषि के विकास के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। कृषि रोड मैप के माध्यम से कृषि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा पर विशेष बल दिया जा रहा है। राज्य सरकार के द्वारा पिछले छः वर्षों में राज्य में 1 नये कृषि विश्वविद्यालय, 4 नये कृषि महाविद्यालय तथा 1 नये उद्यान महाविद्यालय की स्थापना की गयी है। हमारा मानना है कि कृषि क्षेत्र में विज्ञान के सतत् प्रयोग से ही किसानों की हालत में सुधार किया जा सकता है।

देश में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा में विज्ञान के प्रयोग की प्रथम शुरूआत सन् 1905 में पूसा से शुरू हुआ। सन् 1934 के विनाशकारी भूकम्प के बाद सन् 1936 में कृषि अनुसंधान संस्थान दिल्ली चला गया। फिर भी इस संस्थान ने पूसा से अपने लगाव को कायम रखा।

आज 2015 में पुनः दिल्ली से भारत सरकार इस स्थान को अपना रही है। यह महज एक संयोग नहीं हो सकता है बल्कि पूरे देश के खाद्य सुरक्षा के लिए बिहार के किसानों की महती भूमिका के लिए अत्यावश्यक है। बिहार को दूसरे हरित क्रांति की धुरी के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय सन् 1970 में स्थापित हुआ। स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की गयी हैं। इस विश्वविद्यालय के छात्र तथा वैज्ञानिकों ने देश में कृषि के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सन् 1970 में राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। शुरू में इसका मुख्यालय पटना में स्थापित था। 1978 ई० में विश्वविद्यालय का मुख्यालय पूसा में स्थानांतरित किया गया। सन् 1981 ई० में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद कतिपय संस्थान नये विश्वविद्यालय को हस्तांतरित किये गये। सन् 2010 में बिहार कृषि विश्वविद्यालय का सृजन किया गया। बिहार कृषि विश्वविद्यालय के बनने के बाद कृषि जलवायु क्षेत्र 2 एवं 3 के सभी संस्थान नये कृषि विश्वविद्यालय को हस्तांतरित किया गया।

राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर समस्तीपुर जिला के पूसा में अवस्थित है। मुख्य परिसर में कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, मानविकी संकाय एवं कृषि संकाय कार्यरत है। पूसा से सटे लगभग 7 किलोमीटर की दूरी पर मुजफ्फरपुर जिला के ढोली में कृषि महाविद्यालय तथा मत्स्यकी महाविद्यालय कार्यरत है। इस विश्वविद्यालय के अधीन गन्ना अनुसंधान संस्थान, पूसा, पशु उत्पादन संस्थान, पूसा, क्षेत्रीय अनुसंधान सब स्टेशन, माधोपुर, केला अनुसंधान स्टेशन, हाजीपुर, बागवानी अनुसंधान केन्द्र, बिरौली, गहरे पानी वाले धान पर अनुसंधान केन्द्र, बिरौल, दरभंगा तथा चावल अनुसंधान केन्द्र, झंझारपुर, मधुबनी कार्यरत है। राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के अधीन बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, सीवान, पश्चिमी चम्पारण, समस्तीपुर, सारण, गोपालगंज, पीपरा कोठी, पूर्वी चम्पारण तथा शिवहर में कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत है। पूसा में एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम तथा बायोटेक्नोलॉजी प्रोग्राम भी चल रहा है। ये सभी संस्थान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को हस्तांतरित हो जायेंगे।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के बनने के बाद बिहार के किसानों की अपेक्षा बढ़ जायेगी। संस्थान को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय अनुभव का लाभ मिलेगा। कृषि के सामने अत्यधिक चुनौतियाँ हैं। जोत छोटे होते जा रहे हैं तथा व्यापारिक प्रतिस्पर्धा बढ़ता जा रहा है। छोटे–छोटे किसानों के लिए तकनीक विकसित करने की आवश्यकता है। संकर प्रभेद एवं इसी तरह की अन्य तकनीक जो पूरी तरह से किसानों को निजी क्षेत्र पर निर्भर कर देती हैं, पर सरकारी क्षेत्र में अनुसंधान करने की जरूरत है। मौसम में लगातार बदलाव आ रहा है। इससे भी खेती प्रभावित होती है। मुझे उम्मीद है कि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से अत्याधुनिक तकनीक का लाभ बिहार के किसानों को मिलेगा।

मैं इस ऐतिहासिक क्षण में भारत सरकार के माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ जिनके प्रयास से आज के दिन को साकार करने में मदद मिला है। बिहार के किसान सदा इस पल को याद रखेंगे।

दिनांकः 25.01.2015 को राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय का राजेन्द्र केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में सम्परिवर्तन से संबंधित सामग्री

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

तिथि	घटनाक्रम
1 अप्रैल सन् 1905	पूसा में कृषि अनुसंधान संस्थान की नींव रखी गयी। यह देश का पहला कृषि अनुसंधान संस्थान था।
सन् 1911	संस्थान का नामकरण **Imperial Institute of Agricultural Research** किया गया।
सन् 1919	संस्थान का नाम बदलकर **Imperial Agricultural Research Institute** किया गया।
सन् 1932	सुगरकेन रिसर्च इस्टिच्युट, पूसा की स्थापना की गयी।
सन् 1934	विनाशकारी भूकंप में संस्थान की भारी बर्बादी हुई।
सन् 1936	**Imperial Agricultural Research Institute** को नई दिल्ली स्थानान्तरित किया गया जो अब **Indian Agricultural Research Institute** के नाम से प्रचलित है।
	विनाशकारी भूकंप के बाद बचे पूसा इस्टेट को भारत सरकार से बिहार सरकार द्वारा 2 लाख 5 हजार रूपये में खरीदा गया।
3 दिसंबर सन् 1970	राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी। यह विश्वविद्यालय शुरू में बिहार वेटनरी कॉलेज, पटना के कैम्पस से कार्य शुरू किया। श्री एस.के.चक्रवर्ती इस विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति नियुक्त किये गये।
सन् 1978	विश्वविद्यालय का मुख्यालय पूसा स्थानान्तरित किया गया।
सन् 1981	रांची में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना हुई तथा कतिपय संस्थान इस विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आ गए।
01.06.2008	माननीय मुख्यमंत्री, बिहार के द्वारा माननीय प्रधानमंत्री से राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय को केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने का अनुरोध किया गया।
06 मार्च, 2009	योजना आयोग द्वारा राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय को केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने में सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी।
सन् 2010	बिहार कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना सबौर में की गयी तथा कतिपय संस्थान इस विश्वविद्यालय के साथ चले गये।
25 जनवरी, 2015	भारत सरकार के साथ इस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ।

राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय का राजेन्द्र केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में सम्परिवर्तन

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह का मिनट टू मिनट कार्यक्रम

स्थल – संवाद, मुख्यमंत्री सचिवालय, पटना
दिनांक – 25 जनवरी, 2015 पूर्वाह्न – 10:30 बजे

समय	कार्यक्रम
10:30 बजे	पुष्पगुच्छ से स्वागत
10:35 बजे	दीप प्रज्वलन
10:40 बजे	कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा स्वागत संबोधन
10:45 बजे	डॉक्युमेन्ट्री फिल्म का प्रदर्शन
10:50 बजे	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
10:55 बजे	महानिदेशक, आई.सी.ए.आर. का संबोधन
11:00 बजे	माननीय कृषि मंत्री, बिहार, सरकार का संबोधन
11:15 बजे	माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री जी का संबोधन
11:25 बजे	माननीय मुख्यमंत्री जी का संबोधन
	कृषि निदेशक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन